www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 नीति, दृढ़संकल्प व करिश्माई नेतृत्व के दम...
3 बालों से है प्यार तो न करें ये गलतियां...
4 चैत्र नवरात्र के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की हुई...

वर्ष: 9 | अंक: 162 | दिल्ली, सोमवार, 7 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री अमित शाह रविवार से जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार से जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित एक अग्रिम चौकी का दौरा करेंगे और केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति एवं विकास पहलों की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि शाह रविवार शाम को जम्मू पहुंचेंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों तथा पदाधिकारियों साथ एक बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि वह अगले दिन कठुआ में बीएसएफ सीमा चौकी विनय का दौरा करेंगे और स्थिति का आकलन करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इसके बाद वह जम्मू स्थित राजभवन में जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीदों के परिजनों से मिलेंगे और अनुकंपा के आधार पर चयनित कुछ लोगों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि शाह श्रीनगर स्थित राजभवन में आठ अप्रैल को आयोजित होने वाली बैठक में शामिल होंगे और केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यक्रमों का जायजा लेंगे।

बक्सर में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

बक्सर (एजेन्सी)। बिहार के बक्सर जिले में रविवार तड़के एक कार के ट्रक से टकरा जाने की घटना में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। ये सभी लोग कार में सवार थे। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान प्रमोद सिंह (40), उनके बेटे बंटी कुमार (12), पप्पू सिंह और सोनू कुमार के रूप में की गई है। इंडस्ट्रीयल पुलिस थाना प्रभारी संजय कुमार ने पत्रकारों को बताया कि यह हादसा हर्किशुनपुर गांव के पास बक्सर-राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार तड़के हुआ जब कार ने ट्रक को पीछे से टक्कर मारी। उन्होंने बताया, ह्यह्यहादसे में घायल सात लोगों को अस्पताल ले जाया गया जहां तीन को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बाकी तीन घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

तमिलनाडु के रामेश्वरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। (स्त्रोत: पीआईबी)

रामनवमी पर 2 लाख दीयों से जगमगा उठी अयोध्या

(एजेन्सी)।

अयोध्या। रामनवमी के मौके पर अयोध्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। ठीक 12 बजे रामलला के जन्मोत्सव के बाद उन्हें भगवान भास्कर ने सूर्य तिलक लगाया। प्रभुराम की नगरी अयोध्या में भक्त जय श्री राम के नारों के साथ राम लला के दर्शन के लिए कतार में लगे नजर आए। सुबह से श्रद्धालु पवित्र यमुना में डुबकी लगाने के बाद मंदिर की ओर बढ़े। सभी के मन में एक ही इच्छा कि बस एक बार रामलला के दर्शन हो जाएं। आपको बता दें कि अयोध्या को फूलों से सजाया गया और सुरक्षा के भी फूल प्रूफ इंतजाम किए गए। रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से रामसेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय रामसेतु के दर्शन कर रहा था, उसी

समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। मेरी प्रार्थना है, हम सभी पर प्रभु श्रीराम की कृपा बनी रहे। संभल में 87 देव तीर्थ हैं, जिनमें से 58 मिल चुके हैं। हर देव तीर्थ पर अष्टमी और नवमी को 'रामचरितमानस और रामायण पाठ' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम लोग और सभी अन्य समितियां और गैर सरकारी संगठन भाग लेंगे।

सीएम ने आर्य समाज स्थापना दिवस समारोह में की शिरकत

नारी सशक्तिकरण में आर्य समाज का है महत्वपूर्ण योगदानः सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आर्य समाज के 150 वां स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मानव की सेवा और समाज को आगे बढ़ाने में आर्य समाज का योगदान अनुपम है। मुख्यमंत्री ने आर्य समाज को एक ऐसी "व्यक्तित्व निर्माण की संस्था" बताया, जिसने हजारों लोगों को संस्कार और दिशा देकर देश व समाज की सेवा के योग्य बनाया है। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय आर्य समाज के प्रतिनिधियों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। समारोह स्थल पर बनी रंगोली और उसमें दर्शाए गए आर्य समाज के 150 वर्षों के गौरवशाली इतिहास की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर समाज सुधार तक, आर्य समाज के योगदान को

भुलाया नहीं जा सकता। यदि आज वे स्वयं इस मंच पर खड़ी हैं, तो इसका श्रेय आदरणीय स्वामी दयानंद सरस्वती जी को जाता है, जिन्होंने समाज की कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर समाज के सोच को बदला।

मुख्यमंत्री ने बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को लेकर आर्य समाज की भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारों की जड़ में आर्य समाज की सोच और कार्य हैं। आज अगर लाखों बेटियां देश के विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं, तो वह आर्य समाज द्वारा समाज में जागरूकता फैलाने और समानता की नींव रखने के कारण संभव हो पाया।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आर्य समाज के वैश्विक कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्य समाज की संस्थाएं आज भी सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार दे रही हैं। यही संस्कार एक सशक्त नागरिक के निर्माण की आधारशिला रखते हैं, जो भविष्य में देश का नेतृत्व करने में सक्षम होता है।

बड़ी कंपनियों के आने से युवाओं को मिलेगा रोजगारः हरविंद्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा है कि हलके के मध्य करीब 17 सौ करोड़ की लागत से बन रहे रिंग रोड का कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र में बड़ी कंपनियां आएंगी जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार मेरिट पर युवाओं को नौकरी दे रही है लेकिन सरकारी नौकरियों की एक सीमा है। युवा वर्ग को स्वरोजगार की दिशा में भी कदम बढ़ाने चाहिएं।

श्री कल्याण अभिनंदन एवं जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत घरौंडा हलके के गांव रांवर, ऊंचा समाना, पनौडी, जमालपुर, संजय नगर और कलहेड़ी में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। गांवों में उनका पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। श्री कल्याण ने इस अवसर पर जहां विधानसभा चुनाव में तीसरी बार विजयी बनाने के लिए लोगों का आभार जताया वहीं उनकी समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निपटारे के निर्देश दिए।

उन्होंने रांवर में जिला विकास योजना के तहत सामुदायिक केंद्र में 5 लाख की लागत से बनाए गए गेट तथा पेवर ब्लॉक के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसी गांव में एचआरडीएफ स्कीम के तहत बक्शीश सिंह के घर से गुलजारी कश्यप के घर तक गली एवं नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस पर करीब 31 लाख रुपए खर्च होंगे। ऊंचा समाना में स्ट्रीट लाइट्स का लोकार्पण और पनौडी में 20 लाख की लागत से बनने वाले आरसीसी नाले का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि हलके में नहरों की खुदाई कार्य जारी है। इससे भविष्य में बाढ़ का खतरा समाप्त हो जाएगा। श्री कल्याण ने कहा कि कोरोना काल में जरूर दिक्कतों का सामना करना पड़ा, इसके बावजूद करनाल में नई चीनी मिल की स्थापना की गई। सवा सौ करोड़ की लागत से मेरठ रोड की हालत सुधारी गई। पहले खस्ताहालत के कारण इस रोड पर

अक्सर हादसे होते थे। उन्होंने कहा कि कुटेल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल यूनिवर्सिटी का प्रथम चरण इस साल पूरा हो जाएगा। जिसका आगामी सालों में चरणबद्ध तरीके से विकास किया जाएगा। इसके चालू होने से न केवल लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध होगा। विकास की गति को भविष्य में भी जारी रखते हुए न केवल लंबित कामों को पूरा कराया जाएगा बल्कि मांग अनुसार नए प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए जाएंगे। उन्होंने शिक्षित व मौजिज लोगों से अपील की कि व गरीबों, अनपढ़ों, और असहाय लोगों की फॉर्म भरने में मदद करें ताकि कोई भी पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित न रह सके।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने सभी बड़े गांवों में स्ट्रीट लाइट्स लगवाने का निर्णय लिया है। ऊंचा समाना में 20 लाख रुपए की लागत से बनने वाली ई- लाइब्रेरी का काम जारी है। जो युवा संसाधनों के अभाव में कंप्यूटर वगैरह नहीं खरीद सकते उन्हें ई-लाइब्रेरी से विशेष फायदा होगा। भविष्य में हर गांव में ई-लाइब्रेरी खोलने की सरकार की योजना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूत हो रहा है। हर वर्ग को योजनाओं का लाभ मिलने लगा है। ऊंचा समाना में फ्लाईओवर बनवाने की सालों पुरानी मांग पूरी कर दी गई है। बसताड़ा टोल प्लाजा के पास एक एकड़ जमीन में एसएचजी की महिलाओं के लिए प्रदेश का पहला ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। यहां प्रशिक्षण के बाद महिलाएं उच्च क्वालिटी के उत्पाद तैयार कर सकेंगी जिससे उनकी आय में भी इजाफा होगा।अराईपुरा में एनसीसी अकादमी का निर्माण कार्य इसी साल शुरू हो जाएगा। रेपिड रेल की पानीपत से करनाल तक की मंजूरी मिल चुकी है। घरौंडा में इसके तीन स्टेशन होंगे। श्री कल्याण ने कहा कि हलके के लगभग हर गांव से 5 से 20 युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरी मिली है। कोहंड हलके का ऐसा गांव है जहां अब तक 102 युवाओं को नौकरी मिल चुकी है। सरकार ने सत्ता की परिभाषा बदली है। आज सरकार की ताकत समाज विकास और योजनाओं पर लग हो रही है। उनका मकसद भी घरौंडा को खुशहाल बनाना है। विधानसभा अध्यक्ष ने आज सुबह सरफाबाद माजरा में क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ किया। उन्होंने रसूलपुर कलां में शिव मंदिर में हवन एवं मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में भी शिरकत की।

इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, जिला परिषद की डिप्टी सीईओ रोजी, बीडीपीओ अशोक छिक्कारा, भाजपा नेता धीरज खरकाली, सुभाष शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं : जगमोहन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नही है,आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा के अंदर किया जा रहा है।

विधायक जगमोहन आनंद रविवार को नेहरू पैलेस में चाय पर चर्चा के दौरान बड़ी संख्या में मिलने आए आमजन से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने उपस्थित जनों को कहा कि आगामी 14 सैनी के नेतृत्व में ट्रिपल इंजन की सरकार काम कर रही है। वर्तमान सरकार जनता की कसौटी पर खरा उतरने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पिछले 10 वर्षों में भी हरियाणा सरकार ने जनता की समस्याओं पर गंभीरता से काम किया है। यही कारण है कि जनता ने सरकार को तीसरी बार भी काम करने का मौका दिया है। उन्होंने जनता से भी सुझाव लिए और उन सुझावों पर सामूहिक विचार विमर्श भी किया, साथ ही शहर की बेहतरी के लिए सभी को सुझाव देने के लिए भी कहा।

अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा आ रहे हैं, उनके मार्गदर्शन में हरियाणा को अपना पहला एयरपोर्ट मिलने जा रहा है तथा इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यमुनानगर में थर्मल पावर प्लांट की नई इकाई का शिलान्यास भी करेंगे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि करनाल से 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यमुनानगर कार्यक्रम में चलना है तथा उनके विचारों को सुनना है।

हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह चाय पर चर्चा कार्यक्रम किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे शहरवासियों का प्लेटफॉर्म है। कोई भी व्यक्ति यहां आकर अपने सुझाव दे सकता है। यदि सुझाव बेहतर होगा तो अवश्य उस पर कार्य किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी अपने दौरे के साथ निरंतर करनाल शहर को कोई न कोई योजना की सौगात देकर जाते हैं। शहर में तेज गति से विकास कार्य करवाए जा रहे है। इस मौके पर भारी संख्या में गणमान्य व्यक्ति व शहरवासी उपस्थित थे।

मेरी यादें पुस्तक का विमोचन संपन्न

संजना भारती संवाददाता

नोएडा। गंगा-जमुनी तहजीब की धरती गाजीपुर के लाल, प्रसिद्ध सुगंधि व्यवसायी श्री राम जी केशरी द्वारा रचित 'मेरी यादें' नामक पुस्तक का विमोचन एस.आर. ग्रुप द्वारा भव्य रूप से संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गोपाल राय ने की। इस अवसर पर गाजीपुर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एम.एन. खान साहब, समाजसेवी श्री अंजनी तिवारी, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी संकाय अध्यक्ष प्रो. गोपाल प्रधान, श्री हरविंदर (शिब्बू)- जिन्होंने राम जी केशरी के विचारों को लेखनी प्रदान की-रामजस कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर भाई राम विलास, श्री पवन सिंह, डॉ. सिद्धार्थ, भाई सुनील राय सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सभी विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा-"आज के परिप्रेक्ष्य में समाज में जो कुछ घटित हो रहा है, वैसा पहले नहीं था।" केशरी साहब ने अपनी पुस्तक "मेरी यादें" में इन्हीं अनुभवों, परिस्थितियों और भावनाओं को बड़ी संवेदनशीलता से अभिव्यक्त किया है।

बैंकिंग सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता हैः हरविंद्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने कहा कि बैंकिंग सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। शहरों के साथ-साथ गांवों में भी बैंकों का नेटवर्क काफी फैला हुआ है। आज लगभग हर पांच या दस गांवों में एक में बैंक की व्यवस्था है और इस व्यवस्था का और विस्तार करने की जरूरत हैं। बैंकों के माध्यम से ग्रामीण अंचल में ज्यादा से ज्यादा सेवाएं उपलब्ध करवाई जाए। जिससे उन्होंने सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके और वे आगे बढ़ सके। हरविंद्र कल्याण आज करनाल बैंक वर्कर्स ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित करनाल अंचल सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर करनाल विधायक जगमोहन आनंद, नलवा से विधायक रणधीर पनिहार मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरविंद्र कल्याण द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने कहा कि भारत के संविधान की लोकतांत्रिक व्यवस्था का केंद्र बिंदु संवाद ही है।संवाद से बड़ी-बड़ी समस्याओं का हल हो जाता है। विभिन्न स्तरों पर परिवार में, गांव में , प्रदेश में विधानसभा में लोकसभा में सभी में संवाद के माध्यम से विचार पहुंचते हैं और आज इस कार्यक्रम में भी संवाद के माध्यम से अपनी समस्या व मांगे रखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां वर्कर्स के साथ स्टेकहोल्डर्स के लिए भी चर्चा की जाए। जिनको हम अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। जिन स्टेकहोल्डर्स को हम प्लेटफॉर्म देते हैं आगे बढ़ने का रास्ता देते हैं और वे अपने परिश्रम से व बैंक के सहयोग से न केवल अपने जीवन को आगे बढ़ाते हैं अपितु देश को आगे बढ़ाने में भी अपना योगदान देते हैं।

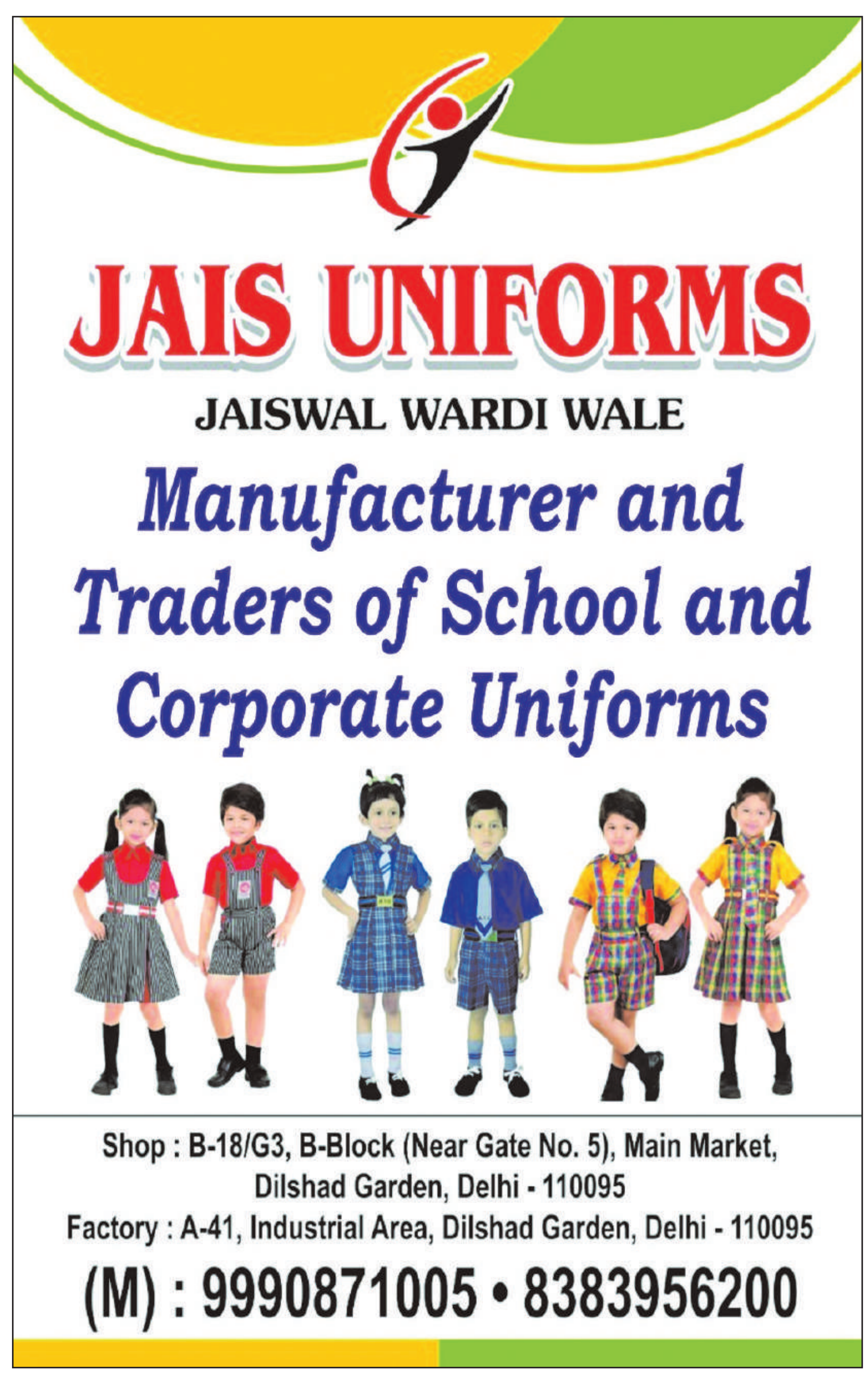

सम्पादकीय

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

प्रसव पीड़ा की मारी एक महिला रात में अस्पताल पहुंचने के लिए पहाड़ी के पांच किलोमीटर रास्ते को कैसे पार करती है? जिस परिवार के पास दूध या अंडे खरीदने की ताकत न हो और उस परिवार में सिलिकोसिस और तपेदिक से गंभीर रूप से पीड़ित कु पोषित युवक हो उस परिवार को आप क्या पोषण सलाह देते हैं? उस बीमार बच्चे का क्या होगा जहां निकटतम स्वास्थ्य सुविधा 20 किमी दूर है और वहां परिवहन की कोई सुविधा उपलब्ध न हो? दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में, जो अस्वच्छता, बाढ़ और कुपोषण से बुरी तरह प्रभावित हैं, वहां आप मलेरिया, डायरिया, हैजा जैसी बीमारियों का मुकाबला कैसे करेंगे? हम इन्हें अक्सर ग्रामीण भारत में स्थितियों के रूप में देखते हैं पर वे इस देश तक सीमित नहीं हैं। ये कहानियां दुनिया भर में मौजूद हैं। विकासशील और विकसित देशों के बीच भारी अंतर के बीच दुनिया भर में ग्रामीण स्वास्थ्य की पहुंच एक प्रमुख मुद्दा है। स्वास्थ्य और आधुनिक संसाधन आम तौर पर शहरों में केंद्रित होते हैं। सभी देशों में परिवहन और संचार संबंधी मुश्किलें हैं और वे सभी देश ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी की चुनौती का सामना करते हैं। इन समस्याओं पर 4 अप्रैल से बेंगलुरु में शुरू हुए तीन दिवसीय विश्व ग्रामीण स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में चर्चा होगी। शहरी क्षेत्रों में 22 प्रतिशत आबादी तक स्वास्थ्य सेवाओं और कवरेज की पहुंच है जबकि इसकी तुलना में दुनिया भर में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और कवरेज 56 फीसदी से कम है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में 10.3 करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों की कमी का दो तिहाई भाग ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में है। 'ग्रामीण स्वास्थ्य संरक्षण में असमानताओं पर वैश्विक साक्ष्य' शीर्षक से मई 2015 की रिपोर्ट में '174 देशों के लिए स्वास्थ्य कवरेज में ग्रामीण घाटे पर नया डेटा', नामक लेख में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बीच प्रमुख स्वास्थ्य पहुंच असमानताओं का खुलासा किया गया है। यह असमानता विशेष रूप से अफ्रीका में स्पष्ट दिखायी देती है जहां ग्रामीण आबादी के एक बड़े हिस्से तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच का अभाव है। हालांकि घाटा हर जगह महसूस किया गया लेकिन कम आय वाले देशों और धन के असमान वितरण वाले देशों में यह अंतर बहुत अधिक है। उदाहरण के तौर पर देखें तो नाइजीरिया की जीडीपी अफ्रीका में सबसे ज्यादा है लेकिन इसकी प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,000 अमरीकी डालर से कम है। यहां की जनसंख्या 20.6 करोड़ है। यह अफ्रीका का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यहां आय का अत्यधिक असमान वितरण है जो इसे अमीर और बहुत गरीब दोनों बनाता है। देश की आबादी का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गरीबी और विषम सामाजिक परिस्थितियों में रहता है जो बीमारियां पैदा करते हैं जिसे आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च से विनाशकारी उच्च स्वास्थ्य व्यय के नाम से जाना जाता है। नाइजीरियाई स्वास्थ्य देखभाल खर्च, लगभग 80प्रति सैकड़ा आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च (वह खर्च जो आप अपनी जेब से करते हैं, जिसकी प्रतिपूर्ति या रिइम्बर्समेंट बाद में हो सकता है या नहीं भी हो सकता)। इसका मतलब यह है कि व्यक्ति स्वास्थ्य बीमा या सरकारी धन पर निर्भर रहने के बजाय सीधे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भुगतान करते हैं। भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में कुल स्वास्थ्य व्यय के प्रतिशत के रूप में आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय में लगातार गिरावट देखी गई है जो 2017-18 में 48.8 प्रति सैकड़ा से घटकर 2021-22 में 39.4 फीसदी हो गई है। विकसित देशों में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा कवरेज के साथ भी भारी समस्याएं हैं। अमेरिका में लगभग 15 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। रहने की कम लागत और जीवन की धीमी गति के कारण ग्रामीण समुदाय में रहने का विकल्प चुनने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का विशेष रूप से सामना करना पड़ता है। उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले बुजुर्ग लोगों का प्रतिशत अधिक है जो क्लीनिक या अस्पतालों तक कम पहुंच रखते हैं। ये आंकड़े सिर्फ यह दिखाने के लिए है कि अमीर माने जाने वाले देश स्वास्थ्य सेवा के मामले में ग्रामीण-शहरी विभाजन को देखते हुए कोई अच्छी हालत में नहीं हैं। उदाहरण के तौर पर नीदरलैंड एक छोटा व विकसित देश है जिसमें उच्च जनसंख्या घनत्व है और जिसे अपेक्षाकृत कम दूरी को देखते हुए अन्य देशों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में मामूली पहुंच के मुद्दों के कारण कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, लेकिन शहरी और ग्रामीण नगरपालिकाओं में जनसंख्या घनत्व में अंतर बड़ा है तथा ग्रामीण इलाकों से शहरी क्षेत्रों में युवाओं के बढ़ते अप्रवासन के कारण ग्रामीण विरल आबादी की समस्याएं बढ़ रही हैं। यह समस्या मुख्य रूप से पीछे छूट गए लोगों की बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की मांगों के कारण है जिन्हें पूरा नहीं किया जा रहा। ग्रामीण जनता खराब स्वास्थ्य, पहुंच की कमी और गरीबी के चक्र में फंसी हुई है। 1992 के बाद से फैमिली डॉक्टरों के विश्व संगठन डब्ल्यूओएनसीए (वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ नेशनल कॉलेज एकेडेमिज एंड एकेडेमिक एसोसिएशन ऑफ जनरल प्रेक्टिशनर्स, फैमिली फीजिशियन्स) ने ग्रामीण स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया है। उक्त संगठन के माध्यम से किया गया यह अध्ययन मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की प्रैक्टिस पर आधारित है जिसने विश्व ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलनों और डब्ल्यूओएनसीए ग्रामीण नीतियों के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का डब्ल्यूओएनसीए के साथ समझौता है जिसमें ग्रामीण स्वास्थ्य पहल शामिल है। 20 साल से अधिक समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन और वोंका ने ग्रामीण स्वास्थ्य पर एक प्रमुख विश्व स्वास्थ्य संगठन - डब्ल्यूओएनसीए आमंत्रण सम्मेलन आयोजित किया था। इस सम्मेलन ने ग्रामीण स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल की एक विशिष्ट कार्य योजना शुरू की। फिर भी, वास्तव में कुछ नहीं हुआ है। इसके बावजूद दुनिया भर के ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय निकायों के संयुक्त ठोस प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण लोगों के लिए 'सभी के लिए स्वास्थ्य' का नजरिया प्राप्त होने की अधिक संभावना है। भारत में ग्रामीण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अन्य देशों की तुलना में अधिक हैं। वहां युवा डॉक्टरों को गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने जैसी पहल चल रही हैं। इस साल अक्टूबर में भारत भर के युवा डॉक्टरों का एक समूह उदयपुर शहर से 25 किलोमीटर दूर एक गांव इसवाल में बैठक करेगा जो बेसिक हेल्थकेयर सर्विसेज द्वारा आयोजित ग्रामीण संवेदीकरण कार्यक्रम (आरएसपी) में भाग लेगा। यह राजस्थान की एक गैर-लाभकारी संस्था है जो राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चलाती है।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

नीति, दृढ़संकल्प व करिश्माई नेतृत्व के दम पर राजनीति के शिखर पर भारतीय जनता पार्टी

नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में वर्ष 2014 में पहली बार केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने अवसर मिला था। जिसके बाद से ही भाजपा ने "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत पर अमल करते हुए देश के नव निर्माण का अभियान शुरू कर रखा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बहुत ही कम समय में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल करने का कार्य किया है

-दीपक कुमार त्यागी

"**सबका** साथ, सबका विकास" की विचारधारा से ओतप्रोत हो सशक्त, सुदृढ़, समृद्ध, समर्थ, स्वावलम्बी एवं विश्वगुरु भारत के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा व ईमानदारी से समर्पित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 6 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मना रही है, भाजपा के प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा जिले, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की श्रृंखलाएं चलाई जा रही है, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा की विचारधारा व केंद्र व भाजपा शासित राज्य सरकारों की नीतियों को लेकर के अधिक से अधिक लोगों के पास कैसे पहुंचा जाएं, देश व प्रदेशों का भाजपा नेतृत्व इसकी रणनीति निरंतर बना रहा है। वह अब भी यह देखकर संतुष्ट नहीं हैं कि उसने केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर के इतिहास रचने का कार्य कर दिया है, आज भी भाजपा के नेता व कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से पार्टी को ओर मजबूत करने में दिन-रात लगें हुए हैं, जो भाजपा संगठन की एक बहुत ही बड़ी खूबी है और उसको अन्य पार्टियों से अलग बनाती है।

देश की आजादी के बाद कभी डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में शून्य से अपनी राजनीति की शुरूआत करने वाली जनसंघ से लेकर के जनता पार्टी तक का सफर करते हुए भाजपा की स्थापना और फिर उसको देश व दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने तक के कठिन सफर में भाजपा के लाखों करोड़ों निस्वार्थ भाव से लगे हुए संगठन शिल्पी नेताओं व कार्यकर्ताओं का बहुत ही अहम अनमोल योगदान रहा है, उन लोगों की त्याग, तपस्या, लगन, मेहनत, बलिदान से भाजपा आज इस मुकाम पर खड़ी है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की इस मेहनत के इतिहास से भारत की राजनीति में रुचि रखने वाले लोगों को रूबरू अवश्य होना चाहिए। अस्सी के दशक में जनता पार्टी से अलग होकर के किस तरह से अटल बिहारी वाजपेयी व उनके अन्य सहयोगियों ने भारतीय जनता पार्टी का देश में विस्तार करने का एक सपना देखा था और उस सपने को उन सभी ने मिलकर के धरातल पर साकार करते हुए केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार का गठन करने वाले अहम मुकाम तक पहुंचाने का कार्य बखूबी से किया था।

वहीं इस सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी ने आगे बढ़ाते हुए केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर देश में व्याप्त ज्वलंत मुद्दों का एक-एक कर-के स्थाई समाधान करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए काम करना निरंतर जारी रखा हुआ है। भाजपा दशकों के बाद आज भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित "एकात्म-मानवदर्शन" को अपने वैचारिक दर्शन के सिद्धांतों पर पूरी तरह से अमल करती है। भाजपा का हमेशा अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर रहा है, जो देश व समाज के हित में पूरी तरह से उचित है। भाजपा ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, पांच सिद्धांत राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति करना हैं।

अपने सिद्धांतों के चलते ही स्थापना के समय से ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी खूबी यह रही कि उसके पास पार्टी व देशभक्ति की विचारधारा से ओतप्रोत राजनेताओं की एक लंबी जमात हमेशा रही है। पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, के. जना कृष्णामूर्ति, एम वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह, जेपी नड्डा के कार्यकाल का दौर निकट से देखा है और अटल बिहारी वाजपेयी व नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए भी देखा है, सभी का "राष्ट्र प्रथम" का ही उद्देश्य मुख्य रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक भी भाजपा को कभी किसी एक परिवार व व्यक्ति की बपौती नहीं बनने दिया है, पार्टी में आज भी आंतरिक लोकतंत्र जिंदा है। देश व दुनिया में भाजपा की पहचान एक ऐसे राष्ट्रवादी राजनैतिक दल के रूप होती है, जिसका ध्येय देश में सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कार्य करना है।

भाजपा ने एक राजनैतिक दल के रूप में शुरूआत से लेकर के आज तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एवं जनहित के मुद्दों को बहुत ही दमदार ढंग से उठाते हुए, देश के आम जनमानस के बीच बेहद ही कम समय में अपनी एक सशक्त पहचान बनाने का कार्य किया है। साथ ही बीतते हुए समय के साथ भाजपा के कर्ताधर्ताओं ने अपनी चाणक्य नीति व कुशल-कारगर ठोस रणनीति के दम पर देश की राजनीति व लोकतंत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करते हुए बहुत सारे राज्यों व केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बना कर देश की राजनीति को नए आयाम देने का कार्य करते हुए, देश के आम जनमानस के दिलो-दिमाग पर छा जाने का कार्य बखूबी किया है।

भारत के राजनैतिक इतिहास को देखें तो यह स्पष्ट रूप से नजर आता है कि वर्ष 2014 से देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का स्वर्णिम काल का दौर चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के दम पर भारतीय जनता पार्टी ने ना केवल तीसरी बार केंद्र की सत्ता पर कब्जा जमाने का काम किया है, बल्कि भाजपा के नाम देश व दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया है, राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा लगभग 11 करोड़ से अधिक सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है। भाजपा आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की जोड़ी के करिश्माई नेतृत्व में आज एक ऐसा बेहद विशाल वट वृक्ष बन गई है, जिस पर भरोसा करते हुए देश की लगभग 50 से 60 फीसदी के करीब आबादी सकून से जीवन यापन कर रही है।

नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में वर्ष 2014 में पहली बार केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने अवसर मिला था। जिसके बाद से ही भाजपा ने "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत पर अमल करते हुए देश के नव निर्माण का अभियान शुरू कर रखा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बहुत ही कम समय में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल करने का कार्य किया है। मोदी सरकार ने विश्व भर में भारत की गरिमा को पुनःस्थापित करने का कार्य किया है। मोदी सरकार में अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर देश तेजी के साथ बढ़ चला है। आर्थिक और सामाजिक सुधार सुरक्षित जीवन जीने का मार्ग उपलब्ध करा रहे हैं। केंद्र सरकार की किसानों के लिये ऋण से लेकर खाद तक की नयी नीतियों, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड आदि ने कृषि के तीव्र विकास की अलख जगायी है। मोदी के नेतृत्व में देश में सुशासन के नये युग का दौर चल रहा है। मोदी सरकार की चाहे आदर्श ग्राम योजना हो, स्वच्छता अभियान या फिर योग के सहारे भारत को स्वथ्य बनाने का अभियान, इन सभी कदमों से देश को एक नयी ऊर्जा मिली है। भाजपा की मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, अमृत मिशन, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से देश को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है। जनधन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, आयुष्मान भारत जैसी अनेक योजनाएं देश में एक नयी क्रांति का सूत्रपात कर रही हैं, देश में केंद्र सरकार के द्वारा बड़े पैमाने पर विश्वस्तरीय अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने देशवासियों को विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजना का उपहार दिया है। राम मंदिर निर्माण, धारा 370, नोटबंदी, ट्रिपल तलाक, वक्फ बिल आदि भाजपा सरकार के दृढ़ संकल्प को दशार्ती हैं।

भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को देखकर लगता है कि वह एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय हैं, विदेशी नीति के मसले पर भारत सरकार अब विश्व शांति तथा एक न्याययुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। भाजपा सरकार में भारत वैश्विक मंच पर दमदार ढंग से अपनी बात रखने की ताकत रखता है। भाजपा की कल्पना भारत को एक ऐसे ताकतवर राष्ट्र बनाने की है, जिसकी निवासी खुशहाल हो, जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं सनातन धर्म संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान विश्वशक्ति एवं विश्वगुरू के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रथम अध्यक्ष अटलजी से लेकर नए अध्यक्ष की प्रतीक्षा बेला तक

भाजपा के सभी अध्यक्षीय कार्यकाल एक से बढ़कर एक रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्षों की भौगोलिक या राज्यीय पृष्ठभूमि, सांगठनिक पृष्ठभूमि, कार्यशैली, भाषायी पृष्ठभूमि, शिक्षा क्षेत्र, अनुभव बड़े ही विविधतापूर्ण रहे हैं। मात्र 45 वर्ष की आयु वाले इस युवा संगठन का समूचे देश में सतत व तीव्रता से बढ़ता हुआ जनाधार ही इसकी अद्भुत व सफल अध्यक्षीय परंपरा का परिचायक है

-डॉ. प्रवीण गुगनानी

आज जब देश भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के पदासीन होने की प्रक्रिया व प्रतीक्षा में हैं तब स्वाभाविक ही भाजपा की समृद्धशाली अध्यक्षीय परंपरा का ध्यान देश के मानस में उभर आता है। भारतीय जनता पार्टी का उत्थान, आरोह, अवरोह, विन्यास का मार्ग और आज के भारतीय राजनैतिक क्षितिज में उसकी चमकदार स्थिति कोई संयोग मात्र नहीं है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामाप्रसाद मुखर्जी, नानाजी देशमुख आदि की राजनैतिक शुचिता व परंपरा के उत्तराधिकारी थे भाजपा के प्रथम अध्यक्ष श्रीमान अटल बिहारी वाजपेयी। भाजपा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जिस प्रकार अपनी पार्टी को एक सुदृढ़ नींव प्रदान की, एक सैद्धांतिक आधार दिया, पार्टी विद डिफरेंस के आसन पर विराजित किया वह सब एक तपस्या ही है। अटल जी से लेकर जे पी नड्डा तक भाजपा की अध्यक्षीय परंपरा, संघ परंपरा के संवाहक के रूप में ही हमें दिखती चली आई है। अटल जी, लालकृष्ण आडवाणी जी, मुरली मनोहर जी, कुशाभाऊ ठाकरे जी, जना कृष्णमृति जी, वैंकया नायडू जी, राजनाथ जी, नितिन गड़करी जी, अमित शाह जी, जेपी नड्डा जी तक की अध्यक्षीय परंपरा पर संघ, जनसंघ व भाजपा की समूची तपस्या व साधना का अमिट प्रभाव रहा है।

1 मई, 1977 को भारतीय जनसंघ ने लगभग पाँच हजार प्रतिनिधियों के एक अधिवेशन में अपना विलय जनता पार्टी में कर दिया था। शीघ्र ही, जनता पार्टी का प्रयोग विफल हो गया था। इस स्थिति में सर्वाधिक किंकर्तव्यमूढ़ स्थिति में जनसंघ के कार्यकर्ता को खड़े होना चाहिए था। सर्वाधिक सांगठनिक हानि जनसंघ की ही हुई थी। जनसंघ का सामान्य कार्यकर्ता गहन हताश और निराश हो जाना चाहिए था! किंतु ऐसा कतई नहीं हुआ!! क्योंकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीर्ष नेतृत्व स्थितियों को केवल भाँप ही नहीं रहा था अपितु भली भाँति नब्ज पर हाथ रखें हुए था। स्वयंसेवकों के समक्ष स्वयंसेवक होने या जनता पार्टी के सदस्य होने में से किसी एक को चुनने का यक्ष प्रश्न उभर रहा था। इस बेला में ही भाजपा जन्म का बीजारोपण हो चुका था। यही कारण था कि, 4 अप्रैल, 1980 को जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने अपने सदस्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य होने पर प्रतिबंध लगाया और मात्र दो सूर्योदय के बाद 6 अप्रैल, 1980 को भाजपा स्थापित हो चुकी थी। यह संघ के संत जैसे प्रचारकों व देवस्वरूप गृहस्थ कार्यकर्ताओं की दूरदृष्टि का ही परिणाम था।

भाजपा के सभी अध्यक्षीय कार्यकाल एक से बढ़कर एक रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्षों की भौगोलिक या राज्यीय पृष्ठभूमि, सांगठनिक पृष्ठभूमि, कार्यशैली, भाषायी पृष्ठभूमि, शिक्षा क्षेत्र, अनुभव बड़े ही विविधतापूर्ण रहे हैं। मात्र 45 वर्ष की आयु वाले इस युवा संगठन का समूचे देश में सतत व तीव्रता से बढ़ता हुआ जनाधार ही इसकी अद्भुत व सफल अध्यक्षीय परंपरा का परिचायक है।

आज भाजपा के बड़े स्तर पर सत्तासीन हो जाने से लोग बहुधा एक बात कहते हैं; अरे, अब यह पार्टी विद डिफरेंस नहीं रही। विरोधी दल स्वानंद के लिए यह कह लें किंतु भाजपा आज भी पार्टी विद डिफरेंस ही है!! भाजपा में अनेक दलों से करोड़ो कार्यकर्ता आकर सम्मिलित हुए हैं, लाखों पदाधिकारी आए, हजारो सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि आये; किंतु क्या भाजपा ने क्या मंदिर को छोड़ा? कश्मीर को छोड़ा? समान नागरिक संहिता को छोड़ा? तुष्टिकरण के विरुद्ध अभियान को छोड़ा? हिंदुत्व के आग्रह को छोड़ा? और तो और भारतीय मुस्लिम महिला समाज को, उसकी दोजखी कुप्रथाओं से बाहर निकालने का नया काम भी भाजपा ने अपने हाथों में ले लिया!! यह श्रृंखला, यह कृतत्व ही बताता है कि भाजपा आज भी द पार्टी विद डिफरेंस ही है। आप पिछले एक दो दशक में सभी भारतीय दलों दलों द्वारा विकसित किये गए विमर्शों को जांचे तो पता चलेगा की वैचारिक दृष्टि से शेष दल सुविधाभोगी हो गए हैं किंतु भाजपा ने अपना वैचारिक आग्रह नहीं छोड़ा। भाजपा ने दुसरे दलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद अपने दल में लिए अवश्य किंतु आने वाले व्यक्ति और उनके विचार बदले हैं भाजपा का वैचारिक आग्रह नहीं बदला है। भाजपा आज भी अपने संघी ध्रुव पर, एकात्म मानववाद पर, अन्त्योदय पर, राममंदिर पर, समान नागरिक संहिता पर, मुस्लिम सुधार पर और ऐसे अनेक विषयों पर अंगद और अटलभाव से खड़ी हुई है। यह भाजपा की समृद्धशाली अध्यक्षीय परंपरा का ही परिणाम है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अल्पमत की सरकार बनाने के बाद भी नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा संसद में नए वक़्फ़ बिल उम्मीद का प्रस्तुत होने से लेकर पारित होने तक की प्रक्रिया, भाजपा की अटल जी से लेकर जेपी नड्डा तक की राष्ट्रनिष्ठ अध्यक्षीय परंपरा का प्रताप ही है। भाजपा की अध्यक्षीय परंपरा की तुलना यदि हम कांग्रेस से या दूसरे राजनैतिक दलों से करें तो हमारे समक्ष एक भयावह दृश्य प्रस्तुत होता है। कांग्रेस सहित अन्य सभी राष्ट्रीय या राज्यीय स्तर के राजनैतिक दलों में अध्यक्षीय आसंदी एक खिलौना बनकर रह गई है। पिता अपने पुत्र को अपनी अध्यक्षीय कुर्सी किसी खिलौने की भाँति ही उपहार में दे देता है। भाजपा से इतर अन्य पार्टियों के अध्यक्ष, कभी इस डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठते हैं। वो विचार बदलते हैं, परिवार बदलते हैं, आधार बदलते हैं और नौ सौ चूहे खाकर कभी हज को तो कभी हरिद्वार को जाने का प्रपंच करते हैं! कांग्रेस, कम्युनिस्ट होकर कटुक, बिटूक गई है। कम्युनिस्ट लोग इस्लामिस्ट होने का ढोंग रच रहे हैं। हमारे देश में कम्युनिस्ट होने की नई परिभाषा है हिंदू विरोध मात्र। साम्यवादी, समाजवादी तो पता नहीं क्या क्या प्रपंच कर रहे हैं।

सबसे बड़ी बात सत्तासीन होने के लिए ये लोग भारतीयता को छोड़ने में सदा अव्वल रहते हैं। भारतीयता को छोड़ना इस एक बड़े शब्द का प्रयोग यहां किया है, किंतु आपके समक्ष कांग्रेस जनित आपातकाल और तुष्टिकरण के बाद के कालखंड के कुछ सामाजिक संदर्भ रख रहा हूं, थर्मामीटर लगाकर चैक करें कि इन संदर्भों में भाजपा से इतर वाले राजनैतिक दलों ने कितनी तेजी से सत्ता के लिए अपनी केंचुली बदली है। जनजातीय को हिंदुओं से अलग बताना, जैन और लिंगायत जैसे कुछ अन्य समुदायों को अलग धर्म या अल्पसंख्यक कराना, शाहबानों प्रकरण में न्यायालय के निर्णय को बदलना, एक देश दो विधान, आर्य अनार्य का वितंडा उपजाना, राममंदिर को संघ या भाजपा का कार्यालय बताना, अयोध्या निर्माण में बाधाएं उत्पन्न करना, रामेश्वर रामसेतु के विध्वंस हेतु मशीनों का बेड़ा भेजना, श्रीराम को काल्पनिक बताना, ऐन दीवाली की रात्रि को पूज्य शंकराचार्य की गिरफ्तारी, देश में कोविड वेक्सिन को भाजपा की वेक्सिन कहकर विरोध करना, विदेशों में वेक्सिन डिप्लोमेसी का विरोध करना, नक्सलवाद, खालिस्तान, बोडो, माओइज्म, अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करना, पंडित विहीन कश्मीर, दक्षिण राज्यों में हिंदी विरोध के आधार पर राजनीति, भाषायी विभाजन, भीम मीम गठजोड़, मंडल-कमंडल, पूर्वोत्तर राज्यों में अलगाव, गुरमेहर कौर विवाद, चीन के साथ भारत के विवाद या संघर्ष में चीन की ओर झुकाव बताना जैसे कई कई मुद्दे हैं। ये और इन जैसे अनेक अन्य मुद्दों पर भारत के तथाकथित बुद्धिजीवी व प्रगतिशील राजनीतिक तत्वों ने सदैव ही राष्ट्र की मूलभावना के विपरीत आचरण प्रस्तुत किया है। भारत की परिवार परम्परा और विवाह परम्परा के विरुद्ध इनके षड़यंत्र आए दिन नए नए रूप में देश के प्रत्येक भाग में उभरते रहते हैं। सीआरपीएफ के 75 सैनिकों के नक्सलियों से संघर्ष करते हुए बलिदान होने पर उत्सव मनाने जैसी घटनाएं ये लोग आए दिन करते रहते हैं। भाजपा को छोड़कर अन्य भारतीय राजनैतिक दलों की अध्यक्षीय परंपरा इतनी विपन्न, विचित्र व विछिन्न-विदीर्ण रही है कि उसे स्वार्थी प्रोपराइटर शिप कहना अधिक उचित होगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कुवैत ने नमाज पर किया ऐसा ऐलान, सुनकर भारत के मुस्लिम भी चकरा जाएंगे

(एजेन्सी)।

कुवैत ने नमाज पर किया ऐसा ऐलान, सुनकर भारत के मुस्लिम भी चकरा जाएंगे। मुसलमान ज्यादा नमाज ना पढ़े यह फरमान जारी किया गया है। मुसलमानों के ज्यादा नमाज पढ़ने के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया गया है। इबादत पर पाबंदी लगाने के आदेश दे दिए गए हैं। भारत के मुस्लिम यह खबर देखकर हैरान हो जाएंगे। यह हैरान करने वाला फरमान भारत, रूस, अमेरिका या चीन ने नहीं दिया। यह फैसला तो एक ताकतवर मुस्लिम देश ने सुनाया है। इस देश का नाम कुवैत है। कुवैत सरकार ने मस्जिदों में बढ़ती बिजली खपत और संभावित बिजली संकट को देखते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के तहत देश की सभी मस्जिदों में नमाज को छोटा करने और बिजली की बबार्दी को रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं निर्देश एक मुस्लिम देश ने दिए हैं तो मजाल है कि कोई बुद्धिजीवी या ठेकेदार कुछ बोल दे कुवैत की जनता भी वही करेगी जो सरकार ने कहा है।

कुवैत के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने इमामों और मुअज्जिनों को देश भर की मस्जिदों में नमाज की रस्मों को छोटा करने का निर्देश जारी किया है। यह निर्णय बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुरोध के बाद लिया गया है और सभी छह गवर्नरेट में मस्जिदों को प्रभावित करने वाली अनुसूचित बिजली कटौती के साथ आता है। 2024 के परिपत्र संख्या 8 के अनुसार, इमामों को जुहर (दोपहर) और अस्त्र (दोपहर) की नमाजों के लिए इकामा (प्रार्थना के लिए दूसरी पुकार) की अवधि कम करने और अनावश्यक रूप से लंबी नमाज पढ़ने से बचने का निर्देश दिया गया है।

हैरान करने वाली बात यह है कि कुवैत मस्जिदों की बिजली खपत से परेशान है तो कुछ हफ्ते पहले एक खबर आई थी कि संभल की मस्जिदों में जमकर बिजली की चोरी और बबार्दी होती है। लेकिन अगर कुवैत जैसा फैसला भारत में ले लिया जाता तो क्या होता। कुवैत बिजली बचा रहा है तो संभल में मस्जिद-मदरसे सालों से बिजली चोरी कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 1400 से ज्यादा बिजली चोरी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 16 मस्जिदों, 2 मदरसों पर भी आरोप लगाए गए हैं। अभी तक की रिपोर्ट के मुताबिक संभल के ये मस्जिद और मदरसे करोड़ों की बिजली चोरी कर चुके हैं। संभल के एक मस्जिद में कनेक्शन में कांटा मारकर तो पूरा मोहल्ला मुफ्त की बिजली लूट रहा था।

वैसे आपको बता दें कि मुस्लिम देश जो चाहे वो आदेश दे देते हैं। वहां रहने वाले मुस्लिमों को वो मानना पड़ता है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर जैसे देशों में सड़क पर नमाज नहीं होती। हाइवे, सड़कों और बिल्डिंग्स के लिए मस्जिदों को शिफ्ट कर दिया जाता है। तजाकिस्तान जैसे देश में तो बुर्के और दाढ़ी पर बैन है। मगर जब बात भारत की आती है तो सारी परेशानियां भी खड़ी हो जाती हैं।

अमूल को चालू वित्त वर्ष में राजस्व 10 प्रतिशत बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद

(एजेन्सी)।

देश के प्रमुख डेयरी ब्रांड अमूल का राजस्व दूध और उसके उत्पादों की बढ़ती उपभोक्ता मांग के कारण इस वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग एक लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों की बिक्री करता है। इसके 18 जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ स्थानीय जिला बाजारों में खुद ही बिक्री करते हैं। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने पीटीआई-के साथ बातचीत में कहा कि अमूल ब्रांड का कुल राजस्व वित्त वर्ष 2024-25 के लगभग 90,000 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2025-26 में एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की संभावना है। मेहता ने मांग में वृद्धि की उम्मीद जताते हुए कहा, जीसीएमएमएफ में हम चालू वित्त वर्ष में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 75,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने जीसीएमएमएफ के 18 सदस्य संगठनों द्वारा अमूल उत्पादों के प्रत्यक्ष विपणन से भी इस वित्त वर्ष में लगभग 25,000 करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना जताई।

इस तरह अमूल ब्रांड का कुल राजस्व चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। मेहता ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में जीसीएमएमएफ ने अपने राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो मुख्य रूप से सभी श्रेणियों में मात्रा में वृद्धि के कारण 65,911 करोड़ रुपये हो गया।

सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर गुजरात ने लगाई जीत की हैट्रिक

(एजेन्सी)।

आईपीएल 2025 के 19वें मैच सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच गया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से मात दी। टॉस जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जिसके बाद जीटी ने निर्धारित 16.4 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर बेहतरीन जीत अपने नाम की। गुजरात की ये जीत की हैट्रिक है जबकि एसआरएच की ये लगातार चौथी हार है।

153 रनों का पीछा करते हुए गुजरात की शुरूआत धीमी रही। जहां 15 रन के स्कोर पर टीम ने पहला विकेट गंवाया। साई सुदर्शन 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद जोस बटलर अपना खाता भी नहीं खोल पाए। वॉशिंगटन सुंदर 29 गेंद में 49 रन बनाकर आउट हुए। अनिकेत ने उनका शानदार कैच लपका। कप्तान शुभमन गिल 43 गेंद में 61 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में उन्होंने 9 चौके लगाए। रदरफोर्ड ने 16 गेंद में 35 रन का योगदान दिया और नॉटआउट रहे। हैदराबाद के लिए शमी ने दो और कमिंस ने एक विकेट लिया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से नितीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को मोहम्मद सिराज ने पहला झटका दिया। सिराज ने ट्रेविस हेड को आउट किया। इस दौरान हेड 5 गेंद में 8 रन ही बना पाए। इसके बाद अभिषेक शर्मा को भी सिराज ने आउट किया जो 16 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 14 गेंद में 17 रन का योगदान दिया। हेनरिक क्लासेन ने नितीश के साथ 50 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 19 गेंद में 27 रन बनाकर आउट हुए। नितीश रेड्डी ने 34 गेंद में 31 रन बनाए। कामिंदू एक ही रन बना सके। अनिकेत 14 गेंद में 18 और सिमरजीत बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं गुजरात की तरफ से सिराज ने 4 विकेट झटके।

मोहम्मद सिराज ने लगाया विकेट का शतक

(एजेन्सी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मियां मैजिक दिखाया। सिराज ने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में चार ओवर के स्पेल में 17 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। सिराज ने अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, अनिकेत शर्मा और सिमरजीत सिंह को अपना शिकार बनाया। ये उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में विकेटों का शतक लगाया है। फिलहाल उनके खाते में अब 97 आईपीएल मैचों में 102 विकेट हैं इसी कड़ी में उन्होंने जहीर खान का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। सिराज आईपीएल में 100 या उससे ज्यादा विकेट चटकाने वाले 26वें गेंदबाज हैं। वहीं, सिराज आईपीएल में संयुक्त रूप से सातवें सबसे तेज 100 विकेट कंप्लीट करने वाले भारतीय पेसर बन गए हैं। सिराज के अलावा शार्दुल ठाकुर ने भी 97 मैचों में विकेटों का शतक लगाया। जहीर ने आईपीएल में 99 मैचों में 100 विकेट पूरे किए थे। हर्षल पटेल और भुवनेश्वर कुमार सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले भारतीय पेसर हैं।

बालों से है प्यार तो न करें ये गलतियां

जरूरत से ज्यादा कंडीशनर का इस्तेमाल

ज्यादातर लोग यह गलती करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि जितना ज़्यादा कंडीशनर लगाएंगे, बाल उतने ही ज्यादा सॉफ्ट और स्मूद रहेंगे, जबकि ऐसा है नहीं. बालों की लंबाई और वॉल्यूम के अनुसार ही कंडीशनर लगाएं. यहां एक और गलती लोग करते हैं कि कंडीशनर को भी शैम्पू की तरह लगाते हैं यानी जड़ों से सिरों की ओर, जबकि कंडीशनर सिर्फ बालों के सिरों पर लगाना चाहिए, जड़ों में नहीं.

ग़लत शैम्पू चुनना

आपका स्काल्प ड्राई है या ऑयली, आपके बाल ड्राई हैं या ऑयली, आपको डैंड्रफ की समस्या है, बालों को कलर करते हैं या फिर बाल बहुत ज़्यादा डैमेज हो रहे हैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही शैम्पू ख़रीदना चाहिए.

गीले बालों में कंघी करना

अगर आपको अपने बालों से प्यार है, तो भूलकर भी गीले बालों में कभी कंघी न करें. ऐसा करने से वो कमज़ोर होकर टूटने लगते हैं. गीले बालों को रगड़कर न पोछें, बल्कि हल्के हाथों से पोछकर सुखाएं. बाल धोने के बाद चौड़े ब्रिसल्स वाली कंघी से कोम्ब करें.

बाल ट्रिम न करवाना

नियमित रूप से बालों को ट्रिम करते रहने से न सिर्फ़ उनका लुक और फील अच्छा रहता है, बल्कि दोमुंहे बालों से भी छुटकारा मिलता रहता है. दोमुंहे बालों के कारण उनकी ग्रोथ रुक जाती है, इसलिए सभी हेयर एक्सपर्ट्स रेग्युलर हेयर ट्रिमिंग की सलाह देते हैं, ताकि आपके बाल हेल्दी और शाइनी बने रहें. आमतौर पर 10-12 हफ़्तों में बालों को ट्रिम करवा लेना चाहिए.

बार-बार कंघी करना

ऐसा माना जाता है कि रोज़ाना बालों में 100 स्ट्रोक्स होने चाहिए, पर यह इस पर भी निर्भर करता है कि आप सही तरीक़े से बालों को कोम्ब कर रहे हैं या नहीं, क्योंकि अगर आप ड्राई बालों को बार-बार कोम्ब करेंगी, तो वो ज़रूर टूटेंगे. बार-बार कंघी करने से उनके क्यूटिकल्स में ज़रूरत से ज़्यादा फ्रिक्शन होता है, जिससे वो डैमेज होने लगते हैं. बालों को कोम्ब करने से पहले हल्का-सा तेल लगाना बालों के लिए अच्छा होता है.

गीले बालों में स्टाइलिंग करना

ज़्यादातर लोगों को लगता है कि बालों के पूरी तरह ड्राई होने से पहले, उन्हें स्टाइल कर लेना चाहिए, इसलिए वो कर्लर या फ्लैट आयरन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए. एक्सपर्ट कहते हैं कि ऐसा करके आप अपने बालों को ड्राई कर देते हो, जिससे बाल डैमेज व डल हो जाते हैं.

ज़्यादा केमिकल ट्रीटमेंट्स कराना

बालों को नेचुरली जितना हेल्दी रखेंगे, वो उतने ही स्ट्रॉन्ग और शाइनी बने रहेंगे. केमिकल ट्रीटमेंट बालों को डैमेज करते हैं, इसलिए हेयर कलर कराएं, पर बहुत ज़्यादा केमिकल ट्रीटमेंट्स से बचें.

स्टाइलिंग प्रॉडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल करना

बालों की ख़ूबसूरती बढ़ाने के लिए कई लोग ज़रूरत से ज़्यादा स्टाइलिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं. ऐसा करने से बाल बहुत डैमेज हो जाते हैं इसलिए स्टाइलिंग प्रॉडक्ट्स का ज़रूरत से ज़्यादा इस्तेमाल न करें.

सोते समय टाइट चोटी बांधना

कई लोगों को लगता है कि सोते समय बालों की टाइट चोटी बांधना बालों के लिए सही है, लेकिन ये पूरी तरह सही नहीं है. सोते समय टाइट चोटी बांधने से खिंचने से बाल टूट सकते हैं इसलिए ऐसा करने से बचें.

गीले बालों को तौलिए से रगड़ना

गीले बालों को तौलिए से रगड़ने से बालों को नुक़सान हो सकता है और बाल टूट सकते हैं. गीले बालों को तौलिए से रगड़ने की बजाय हल्के हाथों से दबाएं. साथ ही बालों को नैचुरल तरीक़े से सूखने दें.

बदलते मौसम में इम्यूनिटी स्ट्राँग करता है अमरूद का सूप

मौसम बदलते ही आप अपनी डाइट में कई तरह की फल और सब्जी से बने सूप शामिल करना शुरू कर देते हैं। फल या सब्जियों से बने सूप का सेवन करने से शरीर के लिए जरूरी सभी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में प्राप्त हो जाते हैं। आपने भी अब तक कई तरह की चीजों से बने सूप का स्वाद चखा होगा लेकिन क्या आपने कभी अमरूद के सूप का स्वाद चखा है। यह सूप टेस्टी होने के साथ सूप लो कैलोरी भी है। जिससे न सर्फ इम्यूनिटी मजबूत होती है बल्कि व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। खास बात यह है कि इस सूप को बनाने की विधि बेहद आसान है।

अमरूद का सूप बनाने के लिए सामग्री-

- दो पके अमरूद
- आधा चम्मच दाल चीनी पाउडर
- आधा चम्मच पिसी हुई काली मिर्च
- नमक
- काला नमक
- पुदीने के पत्ते
- शक्कर (स्वादानुसार)

अमरूद का सूप बनाने की विधि-

अमरूद का सूप बनाने के लिए सबसे पहले अमरूद के भीतर से उसका गुदा निकालकर उसे एक बर्तन में डालकर उबाल लें। इसके बाद इसमें सारी सामग्री मिलाकर छानने के बाद उसे थोड़ा गाढ़ा होने तक पकाएं। अब इस सूप को एक बाउल में निकालकर ऊपर से पुदीने की पत्ती डालकर गर्मा-गर्म सर्व करें। बदलते मौसम में इस सूप को पीने से व्यक्ति कई तरह के रोगों से दूर रहता है।

अमरूद का सूप पीने के फायदे-

- अमरूद में मौजूद विटामिन सी शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाता है। आपको शायद ही पता हो कि संतरे के मुकाबले अमरूद में चार गुना अधिक विटामिन सी मौजूद होता है, जो व्यक्ति को खांसी, जुकाम जैसे इंफेक्शन से दूर रखने में मदद करता है।
- काले नमक के साथ अमरूद का सेवन पाचन संबंधी परेशानियों को दूर करके कब्ज,पित्त या फिर पेट में कीड़ों की समस्या को भी दूर रखने में मदद करता है।
- एंटी एजिंग गुणों से भरपूर अमरूद स्किन के डैमेज सेल की मरम्त कर उसे हेल्दी रखता है, जिससे जल्दी झुर्रियां व झाइयां भी नहीं पड़तीं।
- अमरूद में कैलोरी कम होने के साथ फाइबर की अधिकता होती है। जिसकी वजह से ये वजन कम करने में बेहद मददगार है।

30 की उम्र में महिलाओं को लेने चाहिए ये सप्लीमेंट्स

शरीर को पूरी तरह सेहतमंद रखने में संतुलित खानपान (balanced diet) की अहम भूमिका होती है. हालांकि उम्र बढ़ने के साथ-साथ शरीर की जरूरतें भी बढ़ती जाती हैं. न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार महिलाओं को 30 साल की उम्र के बाद कुछ खास सप्लीमेंट्स जरूर लेने चाहिए. आइए जानते हैं इनके बारे में.

फोलिक एसिड (Folic acid) कोशिकाओं के विकास के लिए फोलिक एसिड बहुत जरूरी है. अगर आप 30 साल की हैं या फिर प्रेग्नेंसी प्लान कर रही हैं तो अपनी डाइट में B विटामिन फोलेट की मात्रा बढ़ा दें. इसके सप्लीमेंट्स दुकान से खरीदे जा सकते हैं.

आयरन (Iron) 30 की उम्र में एक जरूरी मिनरल्स आयरन भी है. महिलाओं में आयरन की कमी होने का खतरा ज्यादा होता है. इसकी कमी से शरीर में हर समया थकान महसूस होती है. इसके अलावा आयरन की कमी से इंफेक्शन की संभावना भी बढ़ जाती है.

विटामिन डी (Vitamin D) विटामिन D अतिरिक्त कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है. यह दिल की बीमारियों से बचाता है और वजन घटाने में भी मदद करता है. 30 की उम्र के बाद आप विटामिन D का सप्लीमेंट ले सकती हैं.

मैग्नीशियम (Magnesium) शरीर के लिए मैग्नीशियम बहुत जरूरी है क्योंकि ये शरीर में प्रोटीन और हड्डी बनाने में मदद करता है. ये ब्लड शुगर को भी स्थिर रखता है. मैग्नीशियम की कमी वाली महिलाओं को मांसपेशियों में ऐंठन, थकान,मूड डिसऑर्डर, हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित दिल की धड़कन, मितली और मांसपेशियों में कमजोरी का अनुभव होता है.

प्रोबायोटिक्स (Probiotics)- प्रोबायोटिक्स गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंत के लिए अच्छे होते हैं. ये सप्लीमेंट डायरिया या आईबीएस जैसे पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मदद करते हैं. प्रोबायोटिक्स एलर्जी से भी बचाता है.

दांतों को हेल्दी रखने के नुस्खे

त्रिफला: त्रिफला को मसाले के रूप में इस्तेमाल करते हैं. त्रिफला की चाय पीने से मसूड़ों से खून निकलने की समस्या कम हो सकती है. त्रिफला में एस्ट्रिजेंट प्रोपर्टी होती हैं जो मसूड़ों से खून की समस्या को दूर करने में मदद कर सकता है.

रसबैरी: रसबैरी एक स्वादिष्ट फल है जो आपके मसूड़ों से खून आने की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है. दिन में दो से तीन बार रसबैरी खाएं. ध्यान रखें कि आप इन्हें खाली पेट खाएं. इस बात का ध्यान रखें कि आप इन्हें डेयरी प्रोडक्टस के साथ न लें. तभी ये आपके दांतों से खून आने की समस्या को कम कर सकता है.

सेब: सेब को सेहत के लिए बहुत ही लाभदायक माना जाता है. लेकिन क्या आपको पता है कि कच्चा सेब मसूड़ों से खून निकलने की समस्या में फायदेमंद हो सकता है. खाने के आधे घंटे बाद एक कच्चा सेब खाने से दांत साफ और चमकदार बन सकते हैं.

संतरा: सतरे को विटामिन सी का अच्छा सोर्स माना जाता है. एक कम संतरे का जूस और आधा चम्मच प्राकृतिक शुगर, एक चुटकी जीरा दांतों से खून आने की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं.

लाल मिर्च के चमत्कारी लाभ

लाल मिर्च यह देखने में बहुत ही लालसर रहता है और साथ ही बहुत ही तीखा रहता है। यहां भोजन का स्वाद बढ़ाता है और साथ ही आपातकालीन स्थितियों में बेहद लाभकारी ठहर सकता है। इसी तरह लाल मिर्च के बहुत ही फायदे हैं, जो आपको पता नहीं होगा तो आज हम आपको वही बताने वाले हैं कि लाल मिर्च के जबरदस्त फायदे कौन से हैं।

लाल मिर्च के फायदे-

1. लाल मिर्च का सबसे पहला फायदा यह है कि, अगर आपको कहीं पर चोट नहीं तो घाव अथवा अन्य कारणों से कहीं पर खून आ रहा हो तो वहां पर बस एक चुटकी भर लाल मिर्च लगाए और खून बहना बंद हो जाएगा।
2. शरीर के अंदरूनी भाग में चोट अथवा खून आ रहा है तो लाल मिर्ची लगा सकते हैं, इससे आपको आराम मिलेगा, गर्दन पकड़ने पर भी लाल मिर्च काम आ सकता है।
3. मांसपेशी में सूजन, कमर दर्द, पीठ दर्द, किसी भी तरह के जलन या फिर शरीर के अन्य कई भागों में आपको दर्द हो रहा हो तो लाल मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं।
4. अगर आपको सर्दी आ गई हो अथवा नाक में दर्द हो रहा हो तो आपके लिए लाल मरचा फायदेमंद हो सकता है, जरा सी लाल मिर्ची को पानी में डालकर पीने से सर्दी से आराम मिलेगा।

अवश्य खाएं हरी मेथी

- मेथी के पत्ते टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों को बहुत फायदा पहुंचाती है। मेथी शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाती है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत जरूरी है। इसमें मौजूद फाइबर से पाचन क्रिया धीरे होती है जिसकी वजह से बॉडी में शुगर का अवशोषण जल्दी नहीं होता है। डायबिटीज के मरीजों को मेथी की सब्जी जरूर खानी चाहिए। एक हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल ब्लड शुगर लेवल को सही रखने में मदद कर सकता है। एक हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल ब्लड शुगर लेवल को सही रखने में मदद कर सकता है।
- मेथी सर्दियों के मौसम में वजन घटाने के लिए भोजन में शामिल की जाने वाली स्वादिष्ट सब्जी है। तेजी से वजन कम करने में मदद तो करेगी ही साथ ही साथ यह स्वाद में भी मजेदार है। मेथी के पत्ते वजन घटाने में मदद कर सकते हैं। मेथी के बीज और पत्ते दोनों वजन घटाने में मदद कर सकते हैं। ये पत्ते फाइबर और दूसरे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। फाइबर खाने से आपका पेट देर तक भरा रहता है। जिससे आप अतिरिक्त कैलोरी लेने से बचा जाते हैं।
- मेथी की पत्तियां कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करती हैं और लिवर में कोलेस्ट्रॉल बनने से रोकती हैं। ये डायबिटीज के साथ एथेरोस्क्लेरोसिस के मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। कुछ स्टडी के अनुसार, मेथी के पत्ते शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने का काम करती हैं। आप नियमित व्यायाम और स्वस्थ आहार को अपनाकर भी खराब कोलेस्ट्रॉल का प्रबंधन कर सकते हैं।
- बच्चों के विकास के लिए मां का दूध बहुत जरूर होता है। मेथी ब्रेस्टमिल्क के उत्पादन का अच्छा स्त्रोत है। इसलिए डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के पत्ते खाने की सलाह दी जाती है। सब्जी के अलावा इसकी हर्बल टी भी बनाई जा सकती है।
- मेथी के पत्तों में फाइबर के साथ एंटीऑक्सिडेंट गुण भी पाए जाते हैं जो पाचनक्रिया को बेहतर बनाते हैं। जिन लोगों को अक्सर पेट की दिक्कत रहती है, उन्हें अपनी डाइट में मेथी साग जरूर शामिल करना चाहिए।

सिर दर्द के लिए रामबाण नुस्खा

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, कामकाज का दबाव और हमेशा तनाव में रहने से सिर दर्द जैसी समस्या होती है। आज हम आपके लिए सिरदर्द से राहत पाने का एक घरेलू नुस्खा लेकर आए है। आइए जानते है। दोस्तों भयंकर से भयंकर सिरदर्द को 2 मिनट में ठीक कर देगा यह रामबाण नुस्खा।

आवश्यक सामग्री

सरदर्द से राहत पाने के लिए आज हम आपके लिए जो घरेलू नुस्खा लेकर आए हैं उसके लिए हमें अजवाइन और सुती कपड़ा चाहिए। जो हर घर में आसानी से मिल जाते हैं।

नुस्खा बनाने की विधि

इस नुस्खे को बनाने की विधि बहुत आसान है। सबसे पहले हैं अजवाइन को तवे पर हल्का भून ले। और इसे एक सूती या मुलायम कपड़े में निकालकर पोटली बांध ले। अजवाइन पूरी तरह ठंडी नहीं होनी चाहिए। और पोटली हल्की-हल्की गर्म महसूस होनी चाहिए। इस पोटली को धीरे-धीरे सुघंते रहे। और तब तक सुघते रहे जब तक अंदर की अजवाइन ठंडी ना हो जाए। इस उपाय को करने से तुरंत सिरदर्द से छुटकारा मिल जायेगा। सिरदर्द दूर करने का यह रामबाण नुस्खा है।

शादी-शुदा महिला के लिए श्रृंगार खास महत्व रखता है। खासतौर पर हिंदू धर्म की सुहागन औरतें अपनी आखिरी सांस तक 16 श्रृंगार को पति की निशानी मानकर चलती हैं और इनका पूरे दिल से सम्मान करती हैं। इन 16 श्रृंगार में 15 वें नंबर पर आता है पैरों में पहना जाने वाला 'बिछिया'। शादी के बाद बिछिया पहनना एक औरत के लिए केवल श्रृंगार मात्र ही नहीं बल्कि इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक कारण भी छिपे हैं.. आइए जानते हैं क्या हैं ये कारण...

पैर की बिछिया का आपकी हेल्थ से क्या है कनेक्शन?

बिछिया का इतिहास

शास्त्रों में बताया गया है कि जब रावण सीता जी का हरण कर उन्हें अपने साथ ले गया था, तो माता सीता ने निशानी के तौर पर एक जगह पर अपना बिछिया उतारकर फेंक दिया था, ताकि भगवान राम को उन्हें ढूंढने में आसानी हो सके। यहां से पता चलता है कि बिछिया का इतिहास काफी पुराना है।

महिलाओं के लिए कैसे है फायदेमंद?

आज जहां कुछ महिलाएं मात्र इसे फैशन के तौर पर पहनना पसंद करती हैं, वहीं इसे पहनने से महिलाओं को कई तरह के शारीरिक लाभ भी मिलते हैं। जैसे कि...

बिछिया असल में अंगूठे के साथ वाली अंगुली में ही पहना जाता है। इस अंगुली में बिछिया पहनने से बॉडी की साइटिक नस अच्छे से काम करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस अंगुली में बिछिया पहनने से गर्भाश्य की नसों में रक्त बहाव अच्छे से काम करता है। जिससे शादी के बाद महिला को मां बनने में किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। कुछ महिलाएं अंगूठे की दूसरी और तीसरी दोनों अंगुली में बिछिया पहनती हैं। दूसरी और तीसरी अंगुली में बिछिया पहनने से अनियमित पीरियड्स की समस्या ठीक होती है।

सोने या चांदी का बिछिया

हिंदू धर्म में सोने को लक्ष्मी जी का प्रिय माना जाता है, जिस वजह से शास्त्रों के मुताबिक सोने का कोई भी गहना कमर से नीचे नहीं पहना जाता। ऐसा करने से धन की लक्ष्मी, मां-लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। इसी वजह से आज तक किसी भी महिला ने सोने का बिछिया नहीं पहना।

शरीर को रखे तरोताजा

चांदी वैसे भी आपकी बॉडी को फिट और एक्टिव बनाए रखने में मदद करती है। पैर में चांदी पहनने से यह धरती में मौजूद पॉजिटिव वाइबस को शरीर में भेजती है, जिससे महिलाएं हर वक्त तरोताजा और मानसिक तौर पर खुद को स्ट्रांग महसूस करती हैं।

आज की रेसिपी

कुट्टू दही भल्ला

सामग्री :

- 300 ग्राम कुट्टू आटा
- 10 ग्राम हरी मिर्च,
- स्वादानुसार सेंधा नमक
- 10 ग्राम ताजा धनिया, बारीक कटा हुआ
- तलने के लिए तेल
- 75 ग्राम आलू (नमक के बिना उबला हुआ)
- 250 ml (मिली.) दही
- 1/2 टी स्पून काली मिर्च (क्रश्ड)
- 1 टी स्पून जीरा पाउडर, रोस्टेड
- 2-3 टी स्पून चीनी
- स्वादानुसार सेंधा नमक
- गार्निश करने के लिए अनार के दाने

विधि :

- कुट्टू का आटा, आलू, हरी मिर्च, हरा धनिया और नमक मिलाकर बैटर तैयार करें.
- बैटर से छोटे भल्ले बनाएं और धीमी आंच पर तेल में फ्राई करें. एक बार जब यह पक जाएं तो इन्हें ठंडे पानी में भिगोकर एक तरफ रख दें.
- दही और चीनी को एक साथ फेंट लें, इसमें कालीमिर्च, भूना जीरा और नमक मिलाएं.
- भल्लों को पानी में से अच्छी तरह निचोड़कर निकालें.
- भल्लों को प्लेट या बाउल में लगाएं और इन पर मीठी दही डालें.
- अनार के दाने और हरा धनिया डालकर इसे गार्निश करें और ठंडा सर्व करें.

फुंसी-फोड़े से पाएं निजात

आज के समय में फोड़े फुंसी एक आम समस्या बन गई है। मौसम बदलाव, गलत खान पान, प्रदूषण के चलते अकसर लोगों में ये समस्या देखने को मिलती है। पिम्पल्स व फुंसी चेहरे की खूबसूरती को समाप्त कर देते हैं। व्यस्तता के चलते भी आजकल लोग अपनी ब्यूटी पर कम ध्यान दे पाते हैं। ऐसे में घरेलू उपचार बहुत फायदेमंद साबित होते है। समय निकालकर आप इन चीज़ों को लगाकर अपने फोड़े फुंसी से निजात पा सकते हैं।

अलसी और पीपल की छाल लगाएं

पिंपल्स से निजात पाने के लिए आप अलसी और पीपल की छाल एक साथ कूट लें। उसको थोड़ा सा गर्म करें और अपने पिंपल्स पर लगाएं। बहुत लाभ मिलेगा।

टी ट्री आयल है बेहतरीन

फोड़े फुंसी को दूर करने में टी ट्री आयल बहुत फायदेमंद होता है। ये एंटी माइक्रोबियल और एंटी बैक्टीरियल तत्वों से भरपूर होता हैं। इसको आप रुई से पिंपल्स पर लगा सकते हैं। इसका यूज़ करीब पांच से छह बार करें। बहुत फायदा मिलेगा।

प्याज का करें यूज़

पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए आप प्याज के रस को फोड़े पर लगाएं। फिर उसके ऊपर कपड़ा रख लें। ऐसा करने से फोड़ा सही हो जाएगा।

हल्दी लगाएं

हल्दी वाला दूध पीने से पिंपल्स को दूर किया जा सकता है। इसमे अदरक मिला लें और अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इस पेस्ट को अपने पिंपल्स पर यूज़ करें। रोज़ाना इस पेस्ट को लगाने से फोड़े फुंसी ठीक हो जाएंगे।

ब्रह्माकुमारी आश्रम राजौंद में नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया

मार्केट यूनियन राजौंद प्रधान भीम सिंह राणा ने कार्यक्रम में शिरकत की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि का त्यौहार गत शुक्रवार देर सायं बडी श्रद्धा भाव व उमंग से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज राजौंद के प्रांगण में चैतन्य देवी दर्शन झांकी का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में देवी-देवताओं के मनमोहक दृश्यों ने सभी उपस्थित जनों का ध्यान आकर्षित किया।

झांकी में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों का चित्रण किया गया, जिसमें भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। भक्तों ने झांकी के दर्शन कर मन में श्रद्धा और आस्था के भाव अनुभव किए। कार्यक्रम का उद्देश्य शिव परमात्मा से राजयोग के द्वारा देवी शक्ति की महिमा को उजागर करना और भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में असंध सेवाकेंद्र इंचार्ज राजयोगिनी उषा दीदी जी मुख्य रूप से पधारे। मार्केट यूनियन राजौंद प्रधान भीम सिंह राणा ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर नगर पार्षद विजेंद्र सिंह राणा, अंकित सिंह, कर्मा सिंह ने कार्यक्रम में पहुंच कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

असंध सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उषा दीदी ने मातृशक्ति की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि भगवान ने भी मातृशक्ति को आगे रखा और मातृ शक्ति ने आगे आकर इस समाज को संबल दिया, सहारा दिया है। यह वह समय नहीं है जो हम कहानियों में सुनते हैं की रक्तबीज था और उसकी जितनी रक्त की बूंदे गिरती थी उतने असुर पैदा हो जाते थे लेकिन आज हम देखें की कितने रक्त बीज पैदा हो चुके हैं जो नारी के प्रति कुदृष्टि रखते हैं, समाज को नुकसान पहुंचाते हैं। काम, क्रोध आदि विकारों का बीज सभी के अंदर उत्पन्न हो चुका है। अब समय है कि परिस्थिति कैसी भी हो लेकिन हमें अपनी मानसिक स्थिति को अच्छा रखकर पवित्रता के बल से इन विकारों के बीज को समाप्त करना है। तभी यह दुनिया दैवीय दुनिया बन सकेगी।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारे भीम सिंह राणा प्रधान मार्केट कमेटी राजौंद ने शुभकामनाए देते हुए कहा कि नवरात्रि के दिन ब्रह्माकुमारीज के प्रांगण में आकर मैं बेहद प्रसन्न हूँ। राजयोग के अल्प अभ्यास से मुझे नवीन ऊर्जा का सुखद अनुभव हुआ।

बच्चों द्वारा प्रस्तुत महिसाषुर मर्दिनी माँ नवदुर्गा की चैतन्य झाँकी की अभिनव प्रस्तुति से मैं अभिभूत हूँ।

चैत्र नवरात्र के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की हुई पूजा अर्चना

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन रविवार को मां दुर्गा के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना किया गया। इस दौरान दुर्गा मंदिर में भी भक्तों की काफी भीड़ नजर आई। लोगों ने आस-पास के मंदिर में मां दुर्गा की पूजा आराधना की। इलाके के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही देवी ऋचाएं और मंत्र गुंजायमान रहे। अकबरनगर व खेरैहिया के दुर्गा मंदिरों मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। यहां प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन किया जाता है। नौंवी का दिन होने के कारण काफी संख्या में भक्त मंदिर पहुंच देवी की पूजा अर्चना की तथा सुख समृद्धि की कामना की।

पूजा को लेकर पंडितों ने विशेष हवन पूजन किया। वही देर शाम आरती करने महिलाएं व युवतियां मन्दिर पहुंची महाआरती व भोग लगाया। पूजा समिति द्वारा अकबरनगर व खेरैहिया में मेले के लिए तैयारी कर रही है।

शून्य ड्रॉप आउट और शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में दाखिला सुनिश्चित करें सभी अध्यापक: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी कैथल प्रीति ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 को लेकर जिला के सभी सरकारी स्कूलों के मुखियाओं को पत्र लिखकर "प्रवेशोत्सव" कार्यक्रम को सफल बनाने तथा बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन करवाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में शिक्षा विभाग कैथल द्वारा जिला के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन विषय को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसमें विभागीय आंकड़ों के अनुसार पाया गया कि जिला कैथल के 40 प्राथमिक, मिडल, तथा उच्च विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। इसलिए हम सब को मिलकर इन विद्यालयों में भी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने का भरपूर प्रयास करना है। सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना के तहत 18 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा में लाना मुख्य कार्य है। यद्यपि राज्य में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन करना, उनका विद्यालय में ठहराव करना, अवस्थांतर करवाना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 2 व 3 की अनुपालना में अनिवार्य अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह पाए। डीसी प्रीति ने कहा कि सभी विद्यालय मुखियाओं एवं शिक्षक समाज को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत विद्यालयों में "प्रवेश उत्सव" कार्यक्रम के माध्यम से इस पर व्यापक ध्यान देने की आवश्यकता है। डीसी प्रीति ने कहा कि कोई भी योजना सामुदायिक भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकती। जिले के अधिक दाखिला करवाने वाले विद्यालयों में सक्रिय सामुदायिक भागीदारी, विद्यालय प्रबंधन समितियों, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं और प्रभावशाली स्थानीय व्यक्तियों का योगदान प्रशंसनीय है।

डीसी प्रीति ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यालय प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत, प्रभावशाली स्थानीय व्यक्तियों, स्वयं सेवी संस्थाओं और अन्य संगठनों के साथ मिलकर विद्यालय में "प्रवेश उत्सव कार्यक्रम" धूमधाम से मनाएँ। इस अवसर पर अपने विद्यालय की विशेषताओं और सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का प्रचार-प्रसार करें। अपने विद्यालय में शिक्षा विभाग हरियाणा के दिशा निर्देशानुसार 30 अप्रैल 2025 तक आयोजित होने वाले प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीम को साथ लेकर कार्य करें।

ऑपरेशन आक्रमण दौरान कैथल पुलिस द्वारा विभिन्न मामलो में 43 आरोपी काबू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल को माननीय पुलिस महानिदेशक हरियाणा के निर्देशानुसार समस्त हरियाणा में अपराध नियंत्रण हेतु ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया। जिसके तहत जिला कैथल पुलिस ने एसपी राजेश कालिया के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में अथक प्रयास करते हुए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करते हुए आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे 43 आरोपियों को धर दबोचने में सफलता हासिल की है।

पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया कि ऑपरेशन आक्रमण के तहत चले विशेष अभियान में एसपी राजेश कालिया के निर्देश पर सभी अपराध जांच शाखा एवं थाना व चौकी स्तर पर कुल 70 टीमों का गठन किया गया। जिसमें 287 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न जगहों पर रेड कर अपराधियों पर कड़ा प्रहार करते हुए अलग अलग शीर्षक के 12 मामले दर्ज किए गए। जिनमें आबकारी अधिनियम के 10 मामलों में 10 आरोपी काबू करके 59 बोतल देसी व 66.4 बोतल हथकढी शराब व 1130 लीटर लाहण बरामद किया गया है।

नशा तस्करो पर शिकंजा कसते हुए एंटी नारकोटिक सैल द्वारा गांव करोड़ा निवासी बजिन्द्र के मकान पर दबीश देकर आरोपी बजिन्द्र को काबू करके 1.110 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया। एक गैस सिलेंडर चोरी का मामला दर्ज करके 2 आरोपियों को काबू करके चोरी शुदा गैस सीलेंडर बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त 5 भगोड़े आरोपियो व 9 नॉन

बेलेबल वारंट वालो को भी काबू किया गया। इसके साथ साथ ट्रेफिक नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर भी कार्रवाई करते हुए 110 वाहनों के चालान किए गए। इसके साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने बारे जागरूक भी किया गया।

इस मौके पर एसपी राजेश कालिया ने कहा कि पुलिस का नारा सेवा सुरक्षा सहयोग है जो पुलिस आमजन की जान माल की सुरक्षा को बरकरार रखते हुए अलग अलग तरह के अभियान चला कर अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को सार्थक कर रही है।

एसपी ने आमजन से भी किसी भी प्रकार की आपराधिक सूचना व शरारती तत्व बारे सूचना देने बारे अपील की है। एसपी ने सख्त लहजे में कहा कि अपराधियों से सख्ती से निपटा जाएगा और जिले में अपराध बिल्कुल भी पनपने नहीं दिया जाएगा।

धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन से समाज में बढ़ता है आपसी भाईचारा : एडवोकेट सोनिया बोहत

एसबी संवाददाता

असन्ध। श्री साईं सेवा समिति एवं धर्मशाला द्वारा रामनवमी के उपलक्ष्य में साईं मंदिर में कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें श्री साईं सेवा मंडली ने भगवान श्री राम के भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विशेष रूप से समाजसेविका एवं कांग्रेस नेत्री एडवोकेट सोनिया बोहत ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि हमें धार्मिक कार्यो में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने से भाईचारे के साथ-साथ प्रेम की भावना भी बढ़ती है। धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन से समाज में आपसी भाईचारा व सद्भाव बढ़ता है। इस तरह के कार्यक्रम निरंतर होते रहने चाहिए ताकि समाज में समरसता बनी रही। धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन से आपसी सौहार्द को मजबूती मिलती है।

श्री साईं सेवा समिति के प्रधान राजकुमार आहूजा ने कहा कि समिति द्वारा समय-समय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी सदस्य बढ़ चढ़कर भाग लेते है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रमुख चौक-चौराहों और कार्यालय को पार्टी के झंडों से सजाया, उत्सव का माहौल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

रेवाड़ी। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस रविवार को हुडा बाईपास स्थित भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली की अध्यक्षता में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय सहित शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को पार्टी के झंडों से सजाया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल व्याप्त हो गया। वहीं, कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों पर भी पार्टी के झंडे लगाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। लोगों का कहना था कि डॉ. वंदना पोपली के जिलाध्यक्ष बनने के बाद यह पहला स्थापना दिवस था जिससे पूरा शहर भाजपामय नजर आया।

जिलाध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना और उसके बाद कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम और बलिदान के परिणामस्वरूप ही मात्र 30 वर्षों में देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। उन्होंने वर्तमान में भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा और 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को देशव्यापी सफलता का कारण बताया। उन्होंने यह भी कहा कि आज पूरे देश में भाजपा की विचारधारा को स्वीकार किया जा रहा है, जिसके चलते अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकार है और भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की वर्तमान मजबूती का श्रेय लाखों कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और उनके बलिदान को दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग की भावना ने ही आज भाजपा को इस मुकाम पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा देशहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लिए हैं, जिससे देश को मजबूती मिली है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में भारत ने विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

इस मौके पर पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधी आश्रम मोहल्ला स्थित हनुमान मंदिर पर रामचरित मानस पाठ अनुष्ठान का हुआ समापन

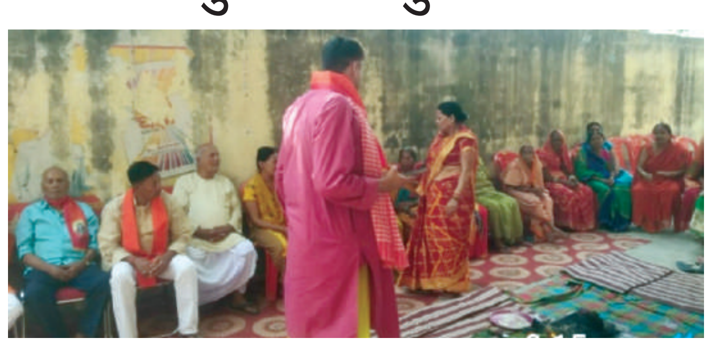

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। ऐतिहासिक गांधी आश्रम से सटे हनुमान मंदिर पर रामनवमी की पूर्व संध्या पर 5 अप्रैल को रामचरित मानस पाठ अनुष्ठान आरंभ हुआ जिसका रामनवमी के दिन 6 अप्रैल को समापन हो गया। इसके बाद आरती हुई और प्रसाद वितरण हुआ। इसके बाद राम भजन भी हुआ। इस अवसर पर गांधी आश्रम मोहल्ला वासी जिसमें महिला, पुरुष चौबीस घंटे तक चलने वाला इस अखंड रामचरित मानस पाठ का श्रवण किए। साथ ही रामनवमी के अवसर पर भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें शहर के सैकड़ों लोग भंडारा का रसास्वादन किए।

इस अनुष्ठान को संपन्न कराने में सुमन कुमार, राजू कुमार, गंगेश गुंजन, पवन कुमार सहित कई लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डीएम, एसपी ने रामनवमी और चैत्र नवरात्र को लेकर शहर में किया फ्लैग मार्च

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई के जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद के कुशल नेतृत्व में पदाधिकारियों और जवानों ने जमुई शहर में चैती नवरात्र और रामनवमी को देखते हुए फ्लैग मार्च किया। उन्होंने चैती नवरात्र और रामनवमी को लेकर शहर में अमन चैन का माहौल कायम रखने के लिए जिला प्रशासन पुलिस पदाधिकारी तथा जवानों के द्वारा नगर थाना क्षेत्र के विभिन्न बाजारों, मोहल्लों एवं चौक चौराहा में फ्लैग मार्च के जरिए लोगों को प्रशासन की सजगता का संदेश दिया। फ्लैग मार्च के जरिए भीड़-भाड़ वाले जगहों पर पुलिस ने प्रशासनिक चौकसी एवं सक्रियता को दर्शाया। इस दरम्यान पुलिस की गाड़ी सायरन बजाते हुए लोगों को अपनी उपस्थिति का आभास कराया।

जिला पदाधिकारी ने अमन के माहौल में चैती नवरात्रा और रामनवमी पर्व को मनाए जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि परंपरागत और वैदिक रीति-रिवाज के अनुकूल पर्व मनाएं और भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा। सभी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को अफवाह और सोशल मीडिया पर नजर रखने को कहा गया है।

पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद ने कहा कि बदमाशों पर खास नजर रखी जा रही है। किसी भी सूरत पर कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रमुख पूजा स्थलों, बाजारों, भीड़-भाड़ वाले इलाकों एवं चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की तैनाती की गई है। उन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी के साथ अत्याधुनिक तकनीक से मॉनिटरिंग किए जाने कि बात कही। सोशल मीडिया पर भी दृष्टि रखी जा रही है। संपूर्ण जिला में विधि-व्यवस्था कायम रखने के लिए यथोचित संख्या में जवानों को तैनात किया गया है। सभी थाना को सघन गश्ती करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जिला नियंत्रण कक्ष लगातार 24 घंटे कार्यरत रहेगा। एसपी ने त्यौहार को नियम संगत ढंग से मनाए जाने का संदेश दिया। उन्होंने बेहतर प्रशासन के लिए यथोचित सहयोग की अपील की।

मौके पर अपर समाहर्ता सुभाष चंद्र मंडल, मधनिषेध अधीक्षक जमुई, एसडीएम अभय कुमार तिवारी, एसडीपीओ सतीश सुमन, डीएसपी मुख्यालय मो. आफताब अहमद, प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव मिश्रा, अंचलाधिकारी ललिता कुमारी समेत कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने फ्लैग मार्च में हिस्सा लिया।

रातों रात गड्ढे भरना शहर में बना चर्चा का विषय

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। 7 अप्रैल को रामनवमी के जुलूस के मार्ग पथिक चौक से टिकटगंज, सरार्फा बाजार टीकाराम शोरूम के सामने डा0 संजय की दुकान के सामने, जोधी चीक से संगीला रोड, गोपी चौक से संगीता रोड, गोपी चौक से बाल्मीकि बस्ती, गोपी चौक से लबेला की तरफ, प्रकाश टॉकीज के सामने, नगर पालिका गेट पर, नगर पालिका से पंजाबी कॉलोनी होते हुए लबेला चौक व अन्य जुलूस के मार्ग पर रात को हॉटमिक्स से गड्ढे भरवाए गए जिसकी विशेष तौर पर हिंदू समाज में चर्चा का विषय बना हुआ है, कि पूर्व मंत्री आबिद रजा व चेयरमैन फात्मा रजा सभी धर्मों के उत्सव का सम्मान करते है।

यहां यह भी बता दें रामनवमी जुलूस के पदाधिकारी शिष्टमंडल पूर्व मंत्री आबिद रजा से मिले थे। उन्होंने रामनवमी के जुलूस जो 7 अप्रैल को निकलना है जुलूस के मार्ग पर गड्ढों को ठीक कराने का आग्रह किया था तथा जुलूस के मार्ग पर सफाई व्यवस्था व लाइट व्यवस्था ठीक करने की मांग की थी। इस संबंध में पूर्व मंत्री आबिद रजा ने चेयरमैन फात्मा रजा से बात की, चेयरमैन फात्मा रजा ने नगर पालिका के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि रामनवमी के जुलूस पर सफाई, लाइट व्यवस्था जुलूस मार्ग पर बेहतर रहनी चाहिए तथा अवर अभियंता निर्माण को सख्त निर्देश दिए कि हर हाल में रामनवमी के जुलूस मार्ग पर 6 अप्रैल तक कोई गड्ढा नहीं रहना चाहिए, इसका नतीजा यह हुआ 5 अप्रैल की रात में ही रामनवमी के जुलूस मार्ग पर हॉटमिक्स के गड्ढे भरवा दिए गए। इसकी पूरी बदायूं शहर में व्यापक चर्चा है।

अलविदा के मौके पर भी पूर्व मंत्री आबिद रजा से जनता ने जामा मस्जिद की खराब सड़क बनाने को कहा था जिस पर पूर्व मंत्री आबिद रजा ने फात्मा रजा से कहकर हिन्दू इलाके में इंदिरा चौक से स्टेशन रोड तक तथा कोतवाली से जामा मस्जिद होते हुए होली चौक तक भी रातों रात बनवाई थी।

श्री कृष्ण कृपा परिवार ने निर्धन परिवारों को मासिक राशन का किया वितरण

एसबी संवाददाता

असन्ध। महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में नगर की नई अनाज मंडी में श्री कृष्ण कृपा परिवार के सदस्यों द्वारा 21 वर्षों से चल रहे 85 निर्धन परिवारों को 254वां मासिक राशन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री कृष्ण कृपा कृपा परिवार की स्थानीय इकाई के प्रधान रामनिवास गर्ग, जगदीश छाबड़ा, सुरेश वर्मा व रमेश मदान ने बताया कि गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी की प्रेरणा से निरंतर 21 वर्षों से निर्धन परिवारों को यह राशन वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर वंशु मदान, सूरज प्रकाश अरोड़ा, सतीश लूम्बा, प्रवीण गुलाटी, गोपाल बजाज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

17 अप्रैल को करनाल में प्रवेश करेगी साइक्लोथॉन-2.0 : उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा हिसार जिला से शनिवार को साइक्लोथॉन-2.0 : हम सबका सांझा सपना-नशा मुक्त हो हरियाणा अपना- टैगलाइन के साथ प्रदेश के अन्य जिलों के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री द्वारा हिसार जिला से शुरू की गई यह साइकिल यात्रा करनाल जिला में 17 अप्रैल को पहुंचेगी। यह जानकारी डीसी उत्तम सिंह ने दी।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि साइक्लोथॉन-2.0 के जिला में प्रवेश करने पर जिला प्रशासन, जिलावासियों, सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया जाएगा। साइक्लोथॉन-2.0 अगले दिन 18 अप्रैल को जिला करनाल से प्रस्थान करेगी। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन के आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां शुरू हो गई है। बेहतर ढंग से आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी रहे इसके लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ ही विभिन्न प्रचार सामग्री से जिलावासियों को साइक्लोथॉन में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

साइक्लोथॉन-2.0 में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक पर करें क्लिक :

डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है। जिस पर कोई भी व्यक्ति जो इस पुनीत अभियान में भागीदार बनना चाहता है वह रजिस्ट्रेशन कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। उन्होंने जिले की ग्राम पंचायतों, कॉलेज, स्कूल, एनजीओ, विभिन्न एसोसिएशन, नशा मुक्ति केंद्र आदि से ड्रग फ्री हरियाणा मुहिम में शामिल होते हुए इस यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साइकिल यात्रा में जिले की सक्रिय भागीदारी रहेगी। उन्होंने जिला वासियों से आह्वान किया कि वे हरियाणा उदय पोर्टल पर उपलब्ध वेबसाइट के जरिये अपना रजिस्ट्रेशन करें।

रजिस्ट्रेशन अनुरूप साइक्लोथॉन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी मिलेगा।

दिल्ली गांधी शांति प्रतिष्ठान भवन में भव्य कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह चला दिल्ली गांधी शांति प्रतिष्ठान भवन की और 27 अप्रैल 2025 को सातवां ऑफलाइन कवि सम्मेलन, पौधा वितरण, सम्मान समारोह एंव पुस्तक विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, पुस्तक विमोचन 27 अप्रैल 2025 को गांधी शांति प्रतिष्ठान भवन दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आने वाले आमंत्रित साहित्यकार अंजू क्वात्रा दिल्ली, डॉ.कामिनी समदर्शी दिल्ली,संगीता बहुगुणा चमेली, सरोज सिंह सजल दिल्ली पधार रहे हैं। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है। इसमें देश के बहुत सारे साहित्यकारों की स्वीकृति प्रदान हुई है। संस्थापिका एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा 'स्नेहा' के द्वारा वरिष्ठ साहित्यकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आप संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष से संपर्क कर सकते हैं। 8809523091 कार्यक्रम की तैयारी जोरों से चल रही है।

अकबरनगर में धूमधाम से मनाया रामनवमी, किया ध्वजारोहण

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। नगर पंचायत अकबरनगर सहित थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में रविवार को लोगो ने रामनवमी पर्व पूरे धूमधाम से मनाया। मयार्दापुरुषोत्तम श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला लोगों ने अपने परिवार के साथ घरों व स्थानीय मंदिरों में श्रीराम की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा अर्चना धूमधाम से किया। अकबरनगर, भवनाथपुर, खेरैहिया, इंग्लिश चिचरौन, श्रीरामपुर, मकन्दपुर सहित अन्य इलाकों में श्रीराम व पवनसूत हनुमान की आराधना कर ध्वजारोहण किया गया। भगवान को नए वस्त्र पहनाकर मंदिरों को सजाया, पूजन किया। हवन में आहुतियां देकर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की गई। लोगों ने घरों में भगवान राम का पूजन कर महाआरती की। देर शाम पूजा पाठ को लेकर मंदिरों में भक्तों की भीड़ नजर आई।